एम.ए. हिंदी
(एम.एच.डी)
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्षेत्र</th>
<th>कार्य</th>
<th>क्रेडिट</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नवजागरण काय्य</td>
<td>भारतेन्दु हरिश्चंद्र का काय्य</td>
<td>1</td>
</tr>
<tr>
<td>नवजागरण काय्य</td>
<td>मैथिलीशरण गुप्त का काय्य</td>
<td>2</td>
</tr>
<tr>
<td>नवजागरण काय्य</td>
<td>भारतेन्दु हरिश्चंद्र और मैथिलीशरण गुप्त का काय्यभाषा और शिल्प</td>
<td>3</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक काय्य (एक)</td>
<td>जयसंगढ़ प्रसाद के काय्य में राष्ट्रीय चेतना और आधुनिक भावधार</td>
<td>4</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक काय्य (एक)</td>
<td>जयसंगढ़ प्रसाद की भाषा और काय्य-शिल्प</td>
<td>5</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक काय्य (दो) तथा धार्मिकविद्यात्मक काय्य</td>
<td>सूर्यकांत निम्नानंद निताला के काय्य का वैयक्तिक आधार</td>
<td>6</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक काय्य (दो) तथा धार्मिकविद्यात्मक काय्य</td>
<td>सूर्यकांत निम्नानंद निताला के काय्य में प्रयोगशीलता की विशालें</td>
<td>7</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक काय्य (दो) तथा धार्मिकविद्यात्मक काय्य</td>
<td>“राम की शक्तिपूजा” : एक पाठालोकन</td>
<td>8</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रागृहीतील काय्य</td>
<td>महादेवी वर्मा की काय्य-संवेदना</td>
<td>9</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रागृहीतील काय्य</td>
<td>महादेवी वर्मा की प्रतीक-योजना</td>
<td>10</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रागृहीतील काय्य</td>
<td>सुमित्रानंद वंट की काय्य-पाना के विविध चरण</td>
<td>11</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रागृहीतील काय्य</td>
<td>सुमित्रानंद वंट की काय्य-शिल्प : भाषा और शैली</td>
<td>12</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रागृहीतील काय्य</td>
<td>विनोब के काय्य की अंतर्भाषियाँ</td>
<td>13</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>नागार्जुन के काय्य में संवेदना के रूप</td>
<td>14</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>नागार्जुन काय्य का रचना-विधान</td>
<td>15</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>मुक्तिप्रमाण का जीवन-वर्णन और उनकी काय्य-वृत्ति</td>
<td>16</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>मुक्तिप्रमाण का काय्य-शिल्प : सैंडेसी के संबंध में</td>
<td>17</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>&quot;अंधेरे में&quot; कविविला का विश्लेषण</td>
<td>18</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- I</td>
<td>शृंगार की कविताएँ</td>
<td>19</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- II</td>
<td>अपने समय के आर-पार देखता कलि : रघुवीर सहाय</td>
<td>20</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- II</td>
<td>रघुवीर सहाय के का काय्यशिल्प और भाषा</td>
<td>21</td>
</tr>
<tr>
<td>नयी कविता- II</td>
<td>रघुवीर सहाय के का काय्यशिल्प और भाषा</td>
<td>22</td>
</tr>
<tr>
<td>आधुनिक काय्य विषय (लेखन परिचय और कविताओं का संग्रह)</td>
<td>आधुनिक काय्य विषय (आलोचनापरक लेखन का संग्रह)</td>
<td>23</td>
</tr>
</tbody>
</table>
खंड 1: गोदान

इकाई 1: किसान जीवन के परिस्थितियों में गोदान
इकाई 2: राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में गोदान
इकाई 3: "गोदान" में नारी चरित्र

खंड 2: सूखा बरगवा: धरती धन न अपना

इकाई 4: धरती धन न अपना: दलित जीवन की त्रासदी के संदर्भ में
इकाई 5: धरती धन न अपना: चित्रकार्य व आंदोलन के पहलु
इकाई 6: सूखा बरगवा: मध्यवर्गीय मुरलिम समाज की मानसिकता
इकाई 7: सूखा बरगवा: अल्पसंख्यक समाज में असरक्ता की भावना

खंड 3: मेला आंचल : बाणभट्ट की आलमकथा

इकाई 8: मेला आंचल और आंचलिक उपन्यास की अवधारणा
इकाई 9: मेला आंचल में सामाजिक व राजनीतिक संदर्भ
इकाई 10: मेला आंचल भाषा और शिल्प
इकाई 11: बाणभट्ट की आलमकथा और भारतीय जीवन दृष्टि
इकाई 12: बाणभट्ट की आलमकथा का शिल्प
इकाई 13: बाणभट्ट की आलमकथा की प्रासंगिकता

खंड 4: कहानी - I

इकाई 14: झुकूर का कुआँ : प्रेमचंद
इकाई 15: पुष्करार : जयशंकर प्रसाद
इकाई 16: कुठे की पूंछ : रशमाल
इकाई 17: पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
इकाई 18: सोज : अजय

खंड 5: कहानी - II

इकाई 19: पिता : झानरंजन
इकाई 20: तिरिच : उदय प्रकाश
इकाई 21: इशार : मनोज भद्रारी

खंड 6: कहानी - III

इकाई 22: चीफ की दावत : शीश्माँथि
इकाई 23: कर्मनाशा की हार : विवेक प्रसाद सिंह
इकाई 24: भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
इकाई 25: एक दिन का महामाया : निमूल वर्मा
इकाई 26: सिंका बल्ला : कृष्ण सोबत्ती
इकाई 27: यह आंत नहीं : ऊर्मिक का संग्रह

हिंदी कहानी निबंध (लेखक परिचय और कहानियों का संग्रह)
कहानी बिवेचना (आलोचनापत्रक लेखों का संग्रह)
खंड 1 हिंदी नाटक और रंगमंच - I
इकाई 1 भारतेन्दु की नाटक दुृश्टि और ‘अंधेरे नगरी’
इकाई 2 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में ‘अंधेरे नगरी’
इकाई 3 ‘अंधेरे नगरी’ का नाटक शिल्प
इकाई 4 जयशंकर प्रसाद की नाटक दुृश्टि और ‘स्कंदगुप्त’
इकाई 5 ‘स्कंदगुप्त’ में इतिहास दुृश्टि और राजंत्रिय व्यतीता
इकाई 6 ‘स्कंदगुप्त’ की रंगमंचीय संभावनाएं

खंड 2 हिंदी नाटक और रंगमंच - II
इकाई 7 मोहन राकेश की नाटक सुरक्षि
इकाई 8 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में ‘आये अचूरे’
इकाई 9 ‘आये अचूरे’ का नाटक शिल्प
इकाई 10 ‘अंधासुरु’ : मिर्जूकीन आल्हान का पुनः सूजन
इकाई 11 ‘अंधासुरु’ में वारित्र सुरक्षि
इकाई 12 ‘अंधासुरु’ का नाटक शिल्प

खंड 3 एकांकी एवं तुककड़ नाटक
इकाई 13 एकांकी नाटक : ताबू के कीड़े
इकाई 14 तुककड़ नाटक : औरता

खंड 4 हिंदी नाटक और रंगमंच - I
इकाई 15 निबंध : धोखा (प्रतापाभारण मिश्र)
इकाई 16 निबंध : लोमन और प्रीत (रामचंद्र शुक्ल)
इकाई 17 निबंध : कुटज (हजारी प्रसाद हिंदेदी)
इकाई 18 निबंध : संस्कृति और जातीयता (रामविलास शर्मा)
इकाई 19 निबंध : लौसरे वर्ज़ के अन्त्य (हरिश्चंद्र परसाई)

खंड 5 गद्द साहित्य की अन्य विधायें - II
इकाई 20 रेखाघिर्त : ढूंढी बाबा (महावेदी वर्मा)
इकाई 21 संस्मरण : वसंत का अप्रूत (अजय)
इकाई 22 जीवनी : क्रांति का सिपाही (ज्यूरुब्राह्मण)
इकाई 23 आकर्षण : कभी मूल्य कभी गाय करें (हरिबंबार बच्चन)

खंड 6 गद्द साहित्य की अन्य विधायें - III
इकाई 24 यात्रापुराषांत : किंगर वेस की ओर (राहुल सांकृत्याचार्य)
इकाई 25 निपोल्टोज़ : अखंड जीवन (रंगेय राधक)
इकाई 26 साक्षात्कार : ऑक्टेरियो पाँज़ (श्रीकृष्ण वर्मा)

हिंदी गद्द विविधता (लेखक परिचय और सच्चाईयों का संग्रह)
हिंदी गद्द विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 1</th>
<th>हिंदी साहित्य के इतिहास की युगिका और आदिवास</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 1</td>
<td>काल विभाजन और नामकरण</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 2</td>
<td>आदिवास की पृष्ठभूमि</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 3</td>
<td>नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 4</td>
<td>राजा काव्य और लोकिक साहित्य</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 2</th>
<th>महत्त्वमलीय का साहित्य</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 5</td>
<td>महत्त्वमल की पृष्ठभूमि</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 6</td>
<td>मिश्रित ज्ञानमाल तंत्र काव्यधाराएं</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 7</td>
<td>मिश्रित प्रमाणमल सूफी काव्यधाराएं</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 8</td>
<td>कृष्ण महत्त्व काव्य</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 9</td>
<td>राम महत्त्व काव्य</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 3</th>
<th>रीतिकलीन का साहित्य</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 10</td>
<td>रीतिकलीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 11</td>
<td>रीतिकलीन कविता का स्वरूप</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 4</th>
<th>आधुनिक हिंदी साहित्य - I</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 12</td>
<td>आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 13</td>
<td>भारतेतु युग</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 14</td>
<td>हिंदीय युग</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 15</td>
<td>छायाचार</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 5</th>
<th>आधुनिक हिंदी साहित्य - II</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 16</td>
<td>उत्तर-छायाचारी कविता</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 17</td>
<td>प्रगतिशील साहित्य</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 18</td>
<td>प्रयोगवाद और नयी कविता</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 19</td>
<td>समकालीन कविता</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 6</th>
<th>आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 20</td>
<td>हिंदी रचना साहित्य</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 21</td>
<td>हिंदी नाट्य साहित्य</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 22</td>
<td>हिंदी आलोचना</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 23</td>
<td>सिंद्रम एवं अन्य गद्य विधाएं</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 24</td>
<td>उद्ध साहित्य का परिचय</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 7</th>
<th>भारतीय आर्थ भाषाएँ</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 25</td>
<td>विश्व की भाषाएँ और भारतीय भाषा परिवार</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 26</td>
<td>भारतीय परिवार और भारतीय आर्थ भाषाएँ</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 27</td>
<td>संस्कृत से अप्रमाण तक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 28</td>
<td>आधुनिक आर्थ भाषाएँ और हिन्दी</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>खंड 8</th>
<th>हिंदी भाषा विकास</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 29</td>
<td>हिंदी भाषा का प्रारंभिक विकास</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 30</td>
<td>आधुनिक युग में हिंदी भाषा का विकास</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 31</td>
<td>हिंदी के बढ़ते चरण</td>
</tr>
</tbody>
</table>
खंड 1 आदि काव्य
इकाई 1 पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, भाषा और काव्य रूप
इकाई 2 पृथ्वीराज रासो का काव्यवर्ण
इकाई 3 विद्यापित और उनका धुम
इकाई 4 गीतिकाव्य के रूप में विद्यापित पदावली

खंड 2 भक्ति काव्य-1 (श्रंगण काव्य)
इकाई 5 कबीर की विद्वान विधेय काव्यवर्ण
इकाई 6 कबीर का काव्य शिल्प
इकाई 7 सूफी मत और जातक का पदमावत
इकाई 8 पदमावत में लोक परंपरा और लोक जीवन

खंड 3 भक्ति काव्य-2 (समर्पण काव्य)
इकाई 9 भक्ति आंदोलन के संदर्भ में शूर काव्य का महत्व
इकाई 10 पुरुषवार्त के काव्य में प्रेम
इकाई 11 मीरा का काव्य और समाज
इकाई 12 मीरा का काव्य सांचरण
इकाई 13 मुसलमान के काव्य में धुंध संसर्ग
इकाई 14 एक कवि के रूप में तुलसीदास

खंड 4 शैतिय काव्य
इकाई 15 विहार के काव्य का महत्व
इकाई 16 धननंद के काव्य में स्वच्छता चेतना
इकाई 17 पद्माकर की कविता

हिंदी काव्य विविधता (कवि-परिचय और लेखों का संग्रह)
हिंदी काव्य विविधता (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-05: साहित्य सिद्धांत और समालोचना
खंड 2 भारतीय-काव्यशास्त्र : विकास के चरण
इकाई 5 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय- I
इकाई 6 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय- II

खंड 3 रस-चिंतन के विविध आयाम
इकाई 7 रस की परिभाषा, स्वरूप और रस निष्ठिति
इकाई 8 साधारणीकरण
इकाई 9 काव्य का अधिकारी

खंड 4 पारशर्य-काव्यशास्त्र- I
इकाई 10 पद्तंत्र का काव्य चिंतन
इकाई 11 अरसु का साहित्य चिंतन
इकाई 12 लोकायासद्दा- उदात्त की अवधारणा
इकाई 13 और जागृति जीवन : मुग परिवेश और आलोचना सिद्धांत
इकाई 14 प्रचंडनवादी काव्य-सिद्धांत : वदर्धवर्ध और कॉलरिज
इकाई 15 मेध्यु आगाल्ड : कला और नैतिकता

खंड 5 पारशर्य-काव्यशास्त्र- II
इकाई 16 क्रोध का अनिवयजनावाद
इकाई 17 दृ.रस.एलियट का साहित्य चिंतन
इकाई 18 आलसी.रिचार्ड्स का साहित्य चिंतन
इकाई 19 नयी समीक्षा (न्यू किटिसिम) के प्रमुख सिद्धांत

खंड 6 साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ
इकाई 20 आधित्यवाद एवं स्वच्छंदतावाद
इकाई 21 मनोविरोधणवादी आलोचना
इकाई 22 मानसवादी आलोचना
इकाई 23 साहित्य चिंतन के विविध वाद
इकाई 24 साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियों
इकाई 25 अर्तितवाद, आधुनिकवाद और उत्तर-आधुनिकता

खंड 7 हिंदी आलोचना
इकाई 26 साहित्य की आधुनिक अवधारणा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
इकाई 27 शुक्ललोक हिंदी आलोचना
इकाई 28 हिंदी की मानसवादी आलोचना और डॉ. रामचंद्र शर्मा
इकाई 29 साहित्य की धौरे

समालोचना से साकार (साहित्य चिंतनपर्क लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-07: भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

खंड 1 भाषाविज्ञान
इकाई 1 भाषा और संप्रेषण
इकाई 2 भारत में भाषा विधान
इकाई 3 भाषाविज्ञान की पारषार्य परंपरा
इकाई 4 संस्थानालक्ष्य भाषाविज्ञान

4 क्रेडिट
| खंड 2 हिंदी संरचना |
|---|---|
| इकाई 8 | ध्वनि संरचना |
| इकाई 9 | रूप, शब्द और पद |
| इकाई 10 | वाक्य संरचना- I |
| इकाई 11 | वाक्य संरचना- II |
| इकाई 12 | अर्थ संरचना |
| इकाई 13 | प्रोत्सित विश्लेषण |

| खंड 3 अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान |
|---|---|
| इकाई 14 | मनोभाषाविज्ञान |
| इकाई 15 | भाषा शिक्षण- I |
| इकाई 16 | भाषा शिक्षण- II |
| इकाई 17 | अनुवाद |
| इकाई 18 | भाषा तुलना |
| इकाई 19 | मैत्री विज्ञान |
| इकाई 20 | कॉर्स विज्ञान |

भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा विवेचना (आलेख संग्रह)

उपन्यास से संबंधित पाठ्यक्रम

![उपन्यास से संबंधित पाठ्यक्रम](image)

| एम.एच.डी.-13: उपन्यास : स्वरूप और विकास | 4 क्रेडिट |

इस पाठ्यक्रम में उपन्यास स्वरूप और विकास, उसकी वर्तु ही शिल्प आदि पर विचार होगा। साथ ही विश्व साहित्य में उपन्यास के बारे में विद्यार्थियों को बताया जाएगा। भारतीय साहित्य और हिंदी साहित्य में उपन्यासों के विकास पर भी विचार होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को कुल पांच खंडों में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। जिसका विकरण नीचे दिया गया है।

### खंड 1 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप - I

| इकाई 1 | भाषा और संप्रेषण |
| इकाई 2 | उपन्यास का अर्थ और स्वरूप |
| इकाई 3 | उपन्यास का उदय तथा उसके कारण |
| इकाई 4 | उपन्यास और अन्य विधाओं |

### खंड 2 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप - II

| इकाई 1 | उपन्यास : वर्तमान और शिल्प |
| इकाई 2 | उपन्यास की भाषिक संरचना |
| इकाई 3 | उपन्यास : वर्गीकरण तथा उसके विनिमय आधार |
| इकाई 4 | उपन्यास की आलोचना दृष्टियों |
खंड 3 विवेक साहित्य में उपन्यास
इकाई 1 विवेक साहित्य में उपन्यास का उदय और प्रथम विवेकयुग तक के उपन्यास (1919 तक)
इकाई 2 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास- I
इकाई 3 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास- II
इकाई 4 दशकवीं सदी के उपन्यास
खंड 4 भारतीय साहित्य के उपन्यास
इकाई 1 भारतीय उपन्यास की अवधारणा
इकाई 2 नवजागरण और भारतीय उपन्यास
इकाई 3 राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और भारतीय उपन्यास
इकाई 4 स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास
खंड 5 हिंदी साहित्य में उपन्यास
इकाई 1 नवजागरण और हिंदी उपन्यास का उदय
इकाई 2 राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और हिंदी उपन्यास
इकाई 3 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास
इकाई 4 हिंदी उपन्यास-आलोचना का विकास
उपन्यास-सिद्धांत-विवेचना (आलोचनात्मक संग्रह)

एम.एच.डी.-14 : हिंदी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन) 4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में उपन्यास समात प्रेमचंद के कुछ प्रमुख उपन्यासों जैसे सेवास्वत, प्रेमाश्रम, संगमूर्ति और गबन पर विस्तार से विचार होगा। प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का भी परिचय दिया जाएगा। विद्वानों की पाठ्यक्रम में विचारित उक्त उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन करना होगा। साथ ही उपन्यास के प्रमुख अंशों की व्याख्या पर भी विचार होगा।

खंड 1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व
इकाई 1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि
इकाई 2 प्रेमचंद का साहित्य
इकाई 3 प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ
इकाई 4 प्रेमचंद के उपन्यास और हिंदी आलोचना
खंड 2 सेवास्वत
इकाई 5 सेवास्वत : अन्तर्विद्वय का विवेचन
इकाई 6 सेवास्वत : शिल्प संरचना (औपचारिक शिल्प)
इकाई 7 'सेवास्वत' की नायिका (सुमंन)
खंड 3 प्रेमाश्रम
इकाई 8 'प्रेमाश्रम' और कृति समस्या
इकाई 9 'प्रेमाश्रम' गुरु-दर्शक भारतीय समाज और प्रेमचंद का आदर्शवाद
इकाई 10 'प्रेमाश्रम' का औपचारिक शिल्प
इकाई 11 ज्ञानशंकर का चरित्र
खंड 1 सूचा सच
इकाई 1 गाशपाल का उपन्यास साहित्य और ‘शूला सच’
इकाई 2 देश का विभाजन और ‘शूला सच’
इकाई 3 देश का भविष्य और ‘शूला सच’
इकाई 4 औपन्यासिक महाकाव्य के रूप में ‘शूला सच’

खंड 2 जिन्दगीनामा
इकाई 5 कृष्णा सोबती का कथा साहित्य और ‘जिन्दगीनामा’
इकाई 6 जिन्दगीनामा : अन्तर्वेतु और कथाशिल्प
इकाई 7 ‘जिन्दगीनामा’ में चरित्र सूचिक के और जीवनदृष्टि
इकाई 8 ‘जिन्दगीनामा’ : परिवेश और मान

खंड 3 सूरज का सातवां घोडा
इकाई 9 परम्परी भारती का कथा साहित्य और ‘सूरज का सातवां घोडा’
इकाई 10 औपन्यासिक शिल्प : सूरज का सातवां घोडा
इकाई 11 सूरज का सातवां घोडा : चरित्र - सूचिक
इकाई 12 भारती की लेखकीय वृत्ति

खंड 4 राग वरबारी
इकाई 13 स्वातंत्र्यांतर श्रीराम बाबा र ‘राग वरबारी’
इकाई 14 ‘राग वरबारी में व्यंग्य’
इकाई 15 ‘राग वरबारी’ की अन्तर्वेतु : मिथिक एवं भाषा का प्रयोग
इकाई 16 ‘राग वरबारी’ के पाठ

हिंदी उपन्यास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)
इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं के चार प्रमुख उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा। उपन्यासों की अंतर्दृष्टि में भाषा और शिल्प साहित्य विभिन्न पक्षों पर आलोचनात्मक सामग्री विश्लेषणों को उपलब्ध कराई जाएगी। पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों के प्रमुख अंशों की व्याख्या पर भी विचार होगा।

खंड 1 चेम्मीन (मलयालम)
इकाई 1 तकर्की शिवसंकर पिल्ले : व्यक्तित्व और कृतित्व
इकाई 2 चेम्मीन : गुग परिक्षेश
इकाई 3 अनुस्य सस्तु, कथानक एवं पात्रसृष्टि
इकाई 4 चेम्मीन में कथन तंत्र : मिथ्य एवं भाषा का प्रयोग
इकाई 5 चेम्मीन का मूल्यांकन

खंड 2 संस्कर (कन्नड़)
इकाई 6 अनुलंब गूढ़ी का लेखकीय परिषेष्ठ
इकाई 7 संस्कर की सामाजिक सांख्य
इकाई 8 संस्कर की प्रांत योजना
इकाई 9 संस्कर : एक मूल्यांकन

खंड 3 मानवीनी भावाई (गुजराती)
इकाई 10 पंचालाल पटेल जीवन परिचय और कृतित्व
इकाई 11 पंचालाल पटेल का गुजरासंस्करण
इकाई 12 मानवीनी भावाई की कथाकथन और विवेचनाएँ
इकाई 13 मानवीनी भावाई का मूल्यांकन
इकाई 14 पंचालाल पटेल की सामाजिक रचनात्मकता

खंड 4 जंगल के दावेदार (बंगाली)
इकाई 15 महारेण्टा देवी : व्यक्तित्व और कृतित्व
इकाई 16 बंगाला उपन्यास साहित्य और महारेण्टा देवी
इकाई 17 जंगल के दावेदार : सामाजिक चेतना
इकाई 18 कथानक एवं चरित्र
इकाई 19 जंगल के दावेदार : एक मूल्यांकन